B - 3 & 4
L - 30
Social Justice

गरीबी एवं भूख से संबंधित मुद्दे :-

गरीबी का अर्थ :-

1. विश्व बैंक के अनुसार गरीबी एक ऐसी स्थिति है जहां किसी व्यक्ति या व्यक्तियों के समूह के पास जीवन जीने के लिए बुनियादी चीज उपलब्ध नहीं होती है।

अर्थात कोई व्यक्ति अपनी नौकरी या व्यवसाय से इतना पैसा कमा पाता है कि वह अपनी बुनियादी जरूरतों (न्यूनतम भोजन, पानी, वस्त्र, आवास, शिक्षा और चिकित्सा) को पूरा कर सके।

गरीबी के प्रकार

सामान्यतः गरीबी के दो प्रकारों की चर्चा की जाती है -

(i) पूर्ण गरीबी / निरपेक्ष गरीबी -

जब किसी व्यक्ति या परिवार के पास न्यूनतम जीवन आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए आवश्यक न्यूनतम आय नहीं होती है।

विश्व बैंक ने इसके लिए विशिष्ट आय सीमा प्रति व्यक्ति 2.15 US $ निर्धारित की है।

(ii) तुलनात्मक गरीबी / सापेक्ष गरीबी -

यह आय असमानता मापने का एक साधन है जिसमें किसी व्यक्ति या समूह के जीवन

स्तर की तुलना अन्य व्यक्तियों या समूहों से की जाती है और अधिक आय वाले व्यक्ति या समूहों की तुलना में कम आय वाले व्यक्ति या समूह को सापेक्षिक रूप से गरीब माना जाता है जैसे किसी समाज में सभी के पास चार-चार कारें हैं उसमें एक कार वाला व्यक्ति सापेक्षिक रूप से गरीब कहलायेगा।

↓

भारत में गरीबी का मापन :-

भारत में गरीबी को प्रति व्यक्ति उपभोग व्यय के आधार पर निर्धारित गरीबी रेखा के आधार पर मापा जाता है।

सुरेश तेंदुलकर समिति के द्वारा 2009 में दिए गए अपने रिपोर्ट में कहा गया था कि भारत की कुल आबादी के 21.9% लोग गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन करते हैं।

↓

गरीबी रेखा से नीचे उपभोग व्यय वाले परिवारों को BPL कहा जाता है और उनको गरीब माना जाता है।

⇓

विश्व बैंक, अन्तर्राष्ट्रीय गरीबी रेखा के आधार पर गरीबी को परिभाषित करता है जिसके अनुसार प्रति व्यक्ति प्रति दिन 2.15 $ को

Scanned by CamScanner

अत्याधिक गरीबी / चरम गरीबी कहा जाता है।

3.65 $ - निम्न मध्यम आय श्रेणी में आते हैं।

6.85 $ - उच्च मध्यम आय श्रेणी में रखे जाते हैं।

भारत में गरीबी मापन के लिए गठित प्रमुख समितियाँ :-

↓

PDF Notes

↓

सुरेश तेंदुलकर समिति

↓

वर्तमान में भारत की आधिकारिक गरीबी रेखा 2009 में सुरेश तेंदुलकर समिति की रिपोर्ट पर आधारित है।

समिति ने शहरों में प्रतिमाह 1 हजार रूपये या प्रतिदिन 33 रूपये या उससे कम खर्च पर जीवन यापन करने वाले लोगों को गरीब माना है।

इसी तरह गाँवों में प्रतिमाह 816 रु० / प्रतिदिन 27 रूपये या उससे कम खर्च पर जीवन यापन करने वाले लोगों को गरीब माना है।

राष्ट्रीय बहुआयामी गरीबी सूचकांक (NNPI)

KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR
Scanned by CamScanner